http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 123

प्रयागराज शनिवार 18 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

बेहतरीन और भविष्योन्मुख है भारतीय ऑटो उद्योग: पीएम मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को बेहतरीन और भविष्योन्मुख बताते हुए शुक्रवार को कहा कि कई कारक हैं, जो ऑटो क्षेत्र को गति देने का काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने यहां भारतमंडपम में 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' का शुभारंभ करते हुए कहा कि हम एक ऐसी गतिशीलता प्रणाली पर काम कर रहे हैं, जो अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी का समर्थन कर सके। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर के विकास के लिए आवश्यकता और आकांक्षा दोनों की आवश्यकता होती है। भारत में दोनों ही जीवंत हैं। आने वाले कई दशकों तक भारत दुनिया का सबसे युवा देश बनने जा रहा है। यही युवा आपके ग्राहक हैं, क्योंकि वे बहुत बड़ी मांग पैदा करते हैं। आपका दूसरा ग्राहक मध्यम वर्ग है। एक ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो जीवाश्म ईंधन के आयात पर हमारे बिल को कम कर सकती है इसलिए, आज भारत हरित प्रौद्योगिकी, ईवी, हाइड्रोजन ईंधन और जैव ईंधन के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा, मोबिलिटी सेक्टर के भी अभूतपूर्व ट्रांसफॉर्मेशन की, कई गुना विस्तार की यात्रा होने वाली है। गतिशीलता को बढ़ावा देने वाले कई कारक हैं, जैसे युवाओं की आबादी। मध्यम वर्ग में लगातार वृद्धि। शहरीकरण में वृद्धि। आधुनिक बुनियादी ढाँचा। मेक इन इंडिया के जरिए किफायती वाहन। उन्होंने कहा कि ऑटो उद्योग के विकास में मेक इन इंडिया पहल ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मेक इन इंडिया पहल को पीएलआई योजना से बढ़ावा मिला है। इस योजना ने 2.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री में मदद की है। इस योजना ने ऑटो सेक्टर में 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

4 चैंपियन को खेल रत्न

- **शूटर मनु-चेस वर्ल्ड चैंपियन गुकेश समेत 4 को खेल रत्नः पैरालिंपिक्स में जेवलिन का गोल्ड जीतने वाले नवदीप समेत 34 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड**

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024

पुरस्कार	विजेता
खेल रत्न	4 खिलाड़ी
अर्जुन पुरस्कार	32 खिलाड़ी
अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम श्रेणी)	2 खिलाड़ी
द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)	3 कोच
द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफटाइम श्रेणी)	2 कोच

हरमनप्रीत सिंह मनु भाकर प्रवीण कुमार डी गुकेश

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय खेल जगत के सितारों को खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति ने निशानेबाज मनु भाकर, चेस चौंपियन डी गुकेश को ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया। शुक्रवार, 17 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय खेल जगत के सितारों को खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति ने निशानेबाज मनु भाकर, चेस चौंपियन डी गुकेश को ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया। वहीं इसके अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को भी खेल के क्षेत्र में उनके अहम योगदान को इसी अवॉर्ड से नवाजा। राष्ट्रपति ने इसी कड़ी में 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कर से भी सम्मानित किया। वहीं राष्ट्रपति मुर्मू ने अर्जुन पुरस्कार, राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी के विजेताओं को भी सम्मानित किया। वहीं अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले खिलाड़ियों में भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर भी शामिल हैं, जिन्हें 1972 पैरालंपिक में 50 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में गोल्ड मेडल मिला था। बता दें कि, मनु भाकर ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचा था। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल विमेंस और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में ब्रान्ज मेडल जीता था।

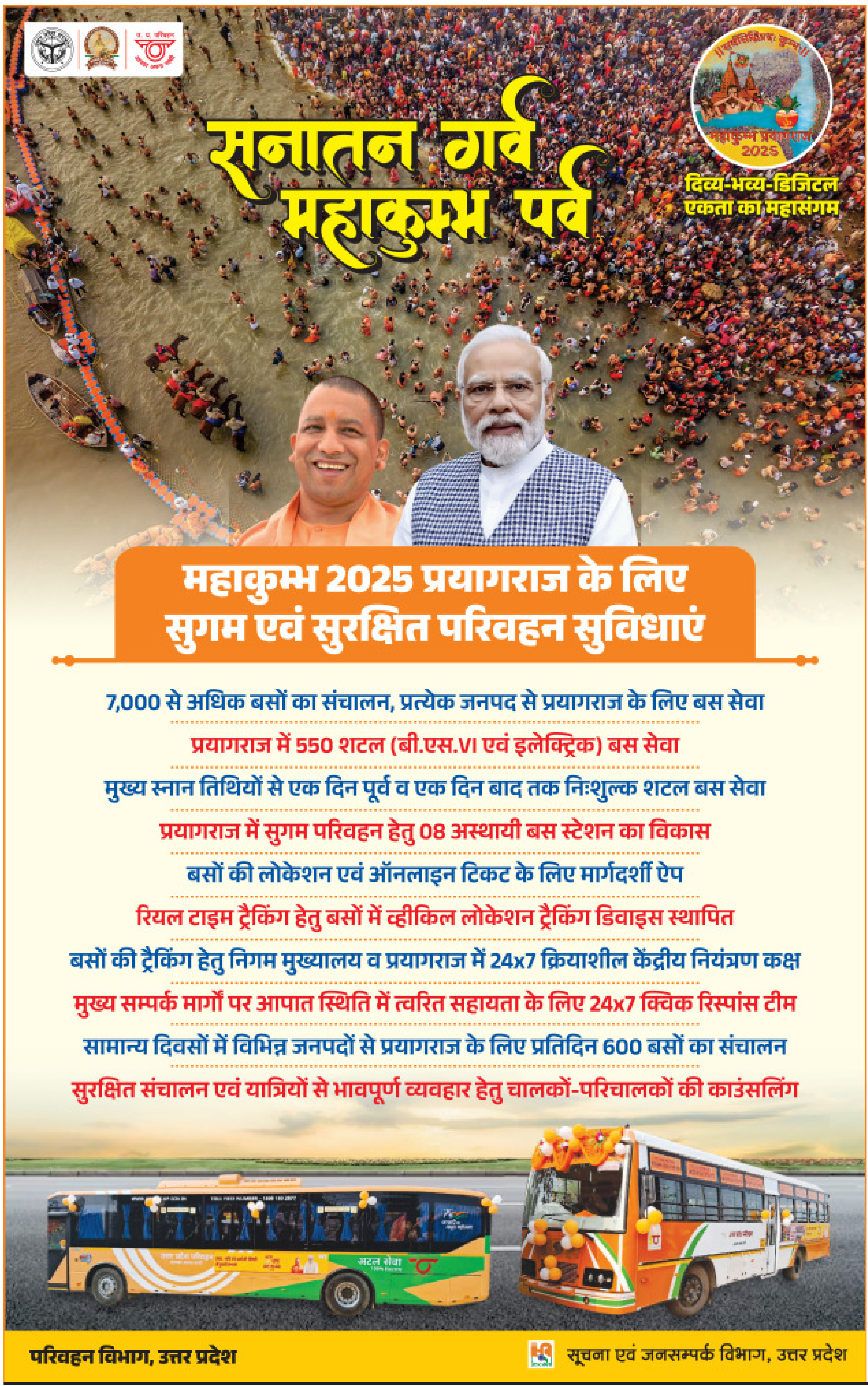

महिलाओं को हर महीने 2500

गैस सिलेंडर पर 500 रुपये की सब्सिडी, भाजपा का पूरा संकल्प पत्र

- **दिल्ली चुनाव, भाजपा का संकल्प पत्र जारीः एलपीजी सब्सिडी 500 रुपए, होली-दिवाली पर एक-एक सिलेंडर मुफ्त**

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। जेपी नड्डा ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के मोहल्ला क्लीनिक को फर्जी स्वास्थ्य सेवा करार दिया। उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़ा हुआ है और 300 करोड रुपये का घोटाला हुआ है। पढ़ें भाजपा के संकल्प पत्र की बढ़ी घोषणाएं– दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) जारी कर दिया है। उन्होंने दिल्ली वासियों से वादा कि दिल्ली में जन कल्याण की चल रहीं वर्तमान योजनाएं उनकी सरकार (भाजपा) बनने के बाद भी जारी रहेंगी। योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत और उनमें सुधार किया जाएगा। उनको भ्रष्टाचार मुक्त भी किया जाएगा। भाजपा अपना संकल्प पत्र तीन चरणों में लागू करेगी। यह इसका पहला हिस्सा है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में महिला समृद्धि योजना के तहत प्रति महीने महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा किया है। इसके अलावा गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर में ₹500 की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत योजना को लागू किया जाएगा, योजना के तहत दिल्ली सरकार अलग से ₹500000 का बीमा करेगी जबकि 5 लाख का बीमा केंद्र सरकार देगी। मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़ा हुआ है, इसकी जांच होगीरू जेपी नड्डा जेपी नड्डा ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के मोहल्ला क्लीनिक को फर्जी स्वास्थ्य सेवा करार दिया। उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़ा हुआ है और 300 करोड रुपये का घोटाला हुआ है। भाजपा सरकार बनने पर इस संबंध में जांच की जाएगी। आम आदमी पार्टी संजीवनी योजना पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि वह यह योजना अपनी सरकार बचाने के लिए लाए हैं। भाजपा के पहले संकल्प पत्र की बड़ी घोषणाएं – महिला समृद्धि योजना के तहत प्रति महीने महिलाओं को 2500 दिए जाएंगे – गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर में ₹500 की सब्सिडी दी जाएगी – गरीब परिवारों को होली और दिवाली पर एक सिलेंडर मुक्त दिया जाएगा – गर्भवती महिलाओं को ₹21000 दिए जाएंगे – 70 साल से अधिक आयु के लोगों को 10 लाख रुपये का बीमा कवर दिया जाएगा – 60 से 70 साल के लोगों की पेंशन में ₹500 की बढ़ोतरी की जाएगी। – 70 साल से अधिक उम्र के लोगों और दिव्यांग व विधवा महिलाओं को 2500 के बजाय ₹3000 पेंशन दी जाएगी – दिल्ली में अटल कैंटीन योजना लॉन्च की जाएगी।

दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना फिलहाल नहीं होगी लागू

- **हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक**

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (PM–ABHIM) योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था। इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। दिल्ली सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में दीं ये दलीलें जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सूची की 1,2 और 18 एंट्री के तहत केंद्र की शक्तियां सीमित हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया है। सिंघवी ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार के साथ समझौते के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। गौरतलब है कि दिल्ली में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना लागू नहीं है। साल 2017 में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बेड और वेंटीलेटर्स की उपलब्धता पर चिंता जाहिर की थी। साथ ही याचिका में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को दिल्ली में भी लागू कराने की मांग की गई थी।

अलका लांबा ने शराब नीति संबंधी बयान को लेकर आतिशी पर किया हमला

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार अलका लांबा ने शराब नीति को लेकर दिये गये बयान के लिए मुख्यमंत्री आतिशी पर जोरदार प्रहार किया है और कहा है कि भ्रष्ट एवं अस्थायी मुख्यमंत्री फिर से शराब नीति लाना चाहती हैं। श्रीमती लांबा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "भ्रष्ट आम आदमी पार्टी की "अस्थायी मुख्यमंत्री" का मानना है कि दिल्ली में "शराब नीति" दुबारा लागू होनी चाहिए – एक के बाद एक शराब की दुकानें खोलने में, एक के साथ एक शराब की बोतल बेचने में – शराब पीने के लिए उम्र को 25 से घटा कर 21 कर युवा पीढ़ी को नशे में धकेल कर आम आदमी पार्टी (आप) ने सही किया।" उन्होंने कहा, "क्या "मेरी दिल्ली" वाले भी यही चाहते हैं??? दुःख और चिंता इस बात की भी है कि यह बात एक महिला मुख्यमंत्री कह रही है, विरोध करने की बजाय एक कठपुतली बन धोखेबाज श्री अरविन्द केजरीवाल के दबाव में कह रही है।" गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट पर श्रीमती लांबा, श्रीमती आतिशी और भारतीय जनता पार्टी के नेता रमेश बिधूड़ी आमने–सामने है।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

कुम्भ पर चन्द्रशेखर के वाजिब सवाल

सोमवार को पौष पूर्णिमा पर स्नान एवं कल्पवास की शुरुआत के साथ प्रयागराज में गंगा तट पर महाकुम्भ आरम्भ हो गया है जो 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन तक चलेगा। इंतजामात के लिहाज से इसे एक बड़ा आयोजन समझा जा रहा है कि क्योंकि पहली बार यह बेहद भव्य व विस्तृत परिसर में होगा। कहा जा रहा है कि इस दौरान इसमें 40 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है जबकि व्यवस्था 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लायक हुई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मेले को अपनी प्रशासकीय कुशलता का एक उदाहरण बनाने पर तुले हैं परन्तु वहीं आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद ने इसे लेकर कुछ बेहद वाजिब सवाल उठाये हैं जिन पर पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर विचार किया जाना चाहिये। श्एक्सश पर डाली एक पोस्ट में उन्होंने आयोजन के प्रबन्ध पर योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार के पास बहुत शक्ति होती है। श्अगर वह चाहे तो कोई असम्भव काम भी सम्भव हो सकता है। केवल 6 माह में रेत पर पूरा शहर बसा देना इसका उदाहरण है। यह बतलाता है कि सरकार कोई भी चुनौती को स्वीकार कर ले तो किसी भी समस्या का समाध ान किया जा सकता है।श आजाद ने सरकार की प्राथमिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि श्जब बात आती है देश के गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित, आदिवासी और महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा की, तो सवाल उठता है कि यदि इन आयोजनों को इतने बड़े पैमाने पर अंजाम दिया जा सकता है तो शिक्षा, चिकित्सा, महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार और बच्चों के भविष्य के लिए क्यों नहीं इस तरह की इच्छाशक्ति दिखाई जा रही है?श रविवार को उन्होंने यह बयान दिया था जिसे लेकर हंगामा होना स्वाभाविक था। उन्होंने कहा कि श्जो लोग वहां अपने पाप धोने जायें वे कोरोना के वक्त उसी गंगा में बहा दी गयी लाशों को याद करें जिन्हें उपचार की सुविधा नहीं मिल पाई थी।श अपने बयान पर अडिग रहते हुए आजाद ने कहा कि श्जितना पैसा कुम्भ पर लगाया गया है उतना अगर देश के युवाओं की शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार देने पर लगाते तो बहुत से परिवारों के आंसू सूख जाते।श सोमवार को इसी बयान के सन्दर्भ में जब उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें निमंत्रण मिला तो क्या वे कुम्भ जायेंगे, इस पर उन्होंने कहा कि श्उन्होंने कोई पाप नहीं किया है इसलिये उन्हें जाने की जरूरत नहीं है। न मैंने पाप किये हैं और न ही मैं वहां धोने जा रहा हूं।श जाहिर है कि इसकी प्रतिक्रिया होती और वैसा ही हो रहा है। विभिन्न धर्मगुरु और नेता उन्हें कोस रहे हैं। उन्होंने इसे और स्पष्ट करते हुए कहा कि हमने बचपन से सुन रखा है कि गंगा में नहाने से पाप धुलते हैं। इस पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि श्क्या कभी चन्द्रशेखर कुम्भ में आये हैं? यदि आयें तो वे ऐसे निष्पापी व्यक्ति के दर्शन करना चाहेंगे।श पीठाधीश्वर रामविलास दास वेदान्ती तो चन्द्रशेखर पर इस कदर नाराज हुए हैं कि उन्होंने यहां तक कह डाला कि महाकुम्भ में केवल पुण्यात्मा जाते हैं, पापी नहीं। अपने बयान पर डटे हुए चन्द्रशेखर ने इस मामले में धार्मिक लोगों की दखलंदाजी पर आपत्ति करते हुए याद दिलाया कि जब भारत को विश्व कप दिलाने के लिये लोग हवन करते हैं तो उन्हें इसलिये हंसी आती थी क्योंकि वे विज्ञानवादी है। वे कहना चाहते हैं कि झांसी के अस्पताल में आग से बच्चों का मरना बतलाता है कि सरकार की प्राथमिकताएं दूसरी हैं। सरकार गम्भीर नहीं है और सरकार से जनकल्याण को लेकर सवाल करना गलत नहीं है। यदि समाज के वंचित तबकों के उत्थान के लिये भी उसी संकल्प एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से काम किया जाये तो बदलाव सम्भव है। देखा जाये तो चन्द्रशेखर ने जो भी बातें कहीं हैं उनमें कोई भी बात बेजा नहीं है। उनके द्वारा उठाये गये सवाल भी वाजिब हैं क्योंकि महाकुम्भ में जहां एक ओर भारी–भरकम राशि खर्च हो रही है वहीं दूसरी ओर सरकार का पिछला कुछ वक्त इसी काम में गुजरा है जबकि प्रदेश में रोजगार जैसा मुद्दा पहले समाधान मांगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों की ओर मानों सरकार का ध्यान ही नहीं है। बेशक सरकार कुम्भ की व्यवस्था पर भी ध्यान दे क्योंकि उससे लोगों की आस्था जुड़ी है तथा करोड़ों लोग यहां गंगा स्नान के लिये आयेंगे जिनकी सुविध ा तथा सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना चाहिये, फिर भी इस मौके पर अनेक ऐसे सवाल हैं जो अपने आप उठ खड़े होते हैं। मसलन, कुम्भ का बजट करीब 5500 करोड़ रुपये का बताया जाता है। इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि इतनी राशि में कितने अस्पताल, स्कूल आदि खोले जा सकते हैं। देश में कुम्भ की परम्परा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है और ऐसा नहीं कि भारतीय जनता पार्टी ही इसकी पहली आयोजक है तथा आदित्यनाथ प्रवर्तक। इस मामले में न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिये वरन व्यवहारिक रवैया अख्तियार करना होगा। जितने तरह के संसाधनों को इसके आयोजन के लिये झोंक दिया गया है वह सरकार की श्रद्धा कम सामाजिक ध्रुवीकरण का अभियान अधिक है। ये सवाल उठाकर चन्द्रशेखर आजाद ने महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर समाज का ध्यान खींचा है।

त्रिवेणी तट पर सजा धर्म, संस्कृति, आस्था, आध्यात्म, व आधुनिकता का अद्भुत संगम

○ सनातन धर्म संस्कृति व परंपराओं के अनुसार महाकुंभ का यह पूरा समय ही अनुष्ठानों का एक भव्य दिव्य समागम है। जिसमें पूरे समय ही पूजा पाठ व स्नान आदि मुख्य रूप से होता है, लेकिन इस मेले में कुछ विशेष तिथि पर स्नान करने को बहुत ही शुभ माना जाता है।

दीपक कुमार त्यागी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की दिव्य धरती पर धर्म–संस्कृति व प्राचीन परंपराओं के अद्भुत संगम से परिपूर्ण दिव्य शहर गंगा यमुना व सरस्वती के संगम तट की रेती पर अब अपना स्वरूप पूरी तरह से ले चुका है। अपनी भव्यता के चलते ही आस्था, धर्म, आध्यात्म व संस्कृति के विशाल संगम का महाकुंभ शुरू होने से पहले ही जबरदस्त चर्चा में आ चुका है। क्योंकि संगम तट पर आध ुनिक व प्राचीन के अद्भुत संगम की आस्था और अध्यात्म एक पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अपनी थीम के ही अनुरूप भव्य–दिव्य व नव्य आकार ले चुकी है। दिन–रात की मेहनत के बाद अब संगम तट की रेती पर बसी एक बड़ी अद्भुत भव्य अनोखी नगरी महाकुंभ के आयोजन के साक्षी बनने आ रहे संत–महात्माओं, श्रद्धालुओं व पर्यटकों का दिल खोलकर के स्वागत करने के लिए तैयार हो गयी है। संगम तट की पूजनीय दिव्य धरा पर संत, महात्माओं, श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए एक ऐसा भव्य शहर तैयार हो चुका है, जिसको शिल्पकारों ने इस तरह से तराशा है कि धार्मिक आस्था व प्राचीन संस्कृति के साथ–साथ भौतिक सुख साधनों की कामना रखने वाले लोगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध की गयी हैं, जिसकी भव्यता देखकर के देखने वाले की आंखें चौंधिया जायेंगी।

हालांकि इस प्राचीन धर्म नगरी प्रयागराज में वर्ष 2019 के कुंभ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ही भव्य–दिव्य आयोजन 3200 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में हुआ था। लेकिन वर्ष 2025 में एकबार फिर से महाकुंभ की यह दिव्य नगरी मोदी–योगी के कुशल मार्गदर्शन में एक नया इतिहास रचने जा रही है। जिसके चलते ही इस बार महाकुंभ में आने वाली भारी भीड़ के दृष्टिकोण से कुंभ के मेला क्षेत्र का क्षेत्रफल 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है। लंबे समय से चली आ रही तैयारियों के बाद अब वह समय आ गया है जब त्रिवेणी के अद्भुत दिव्य तट पर सनातन धर्म के अनुयायियों का धर्म, आध्यात्म व आस्था के संगम के महाकुंभ का विशाल आयोजन 13 जनवरी शुरू होने वाला है और जोकि 26 फरवरी तक चलेगा। जिसको अद्भुत, अलौकिक, दिव्य, भव्य व नव्य स्वरूप प्रदान करने को मोदी व योगी सरकार दृढ़ संकल्पित है।

इस बार के महाकुंभ 2025 के आयोजन के बजट पर एक नजर डालें तो महाकुंभ के आयोजन के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपए का खर्च सामने आ रहा है। जिस में से 2,100 करोड़ रुपए का आवंटन केंद्र सरकार के द्वारा किया है, वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने 5,435.68 करोड़ रुपए का विशाल बजट निर्धारित किया है। जबकि वर्ष 2019 में कुंभ मेले के लिए 4,200 करोड़ रुपए का बजट था। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो हर कुंभ मेले की तरह ही इस बार भी महाकुंभ का देश की जीडीपी में एक बहुत ही बड़ा योगदान रहने की संभावना है, जिसके चलते ही मेला क्षेत्र छोटे व बड़े व्यापारियों, दुकानदारों आदि को आकर्षित करने का कार्य बखूबी कर रहा है, लोग महाकुंभ क्षेत्र में तरह–तरह का व्यापार करने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि सनातन धर्म संस्कृति व परंपराओं के अनुसार महाकुंभ का यह पूरा समय ही अनुष्ठानों का एक भव्य दिव्य समागम है। जिसमें पूरे समय ही पूजा पाठ व स्नान आदि मुख्य रूप से होता है, लेकिन इस मेले में कुछ विशेष तिथि पर स्नान करने को बहुत ही शुभ माना जाता है। जिसमें भाग लेने के लिए ही संगम के किनारे करोड़ों संत, महात्मा व तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं और उन सभी का अटूट, श्रद्धा व विश्वास होता है कि शाही स्नान के लिए तय तिथियों में संगम के पवित्र जल में स्नान करने से उनका जीवन धन्य हो जाता है, उनको सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और वह स्वयं खुद के साथ–साथ अपने पूर्वजों को भी पुनर्जन्म के जीवन चक्र से मुक्त कर सकते हैं, इसलिए शाही स्नान की तिथि पर कुंभ नगरी में भारी भीड़ रहती है। इस बार महाकुंभ में शाही स्नान की वह विशेष तिथियां हैं –

पौष पूर्णिमा 13 जनवरी 2025।
मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025।
मौनी अमावस्या 29 जनवरी 2025।
बसंत पंचमी 03 फरवरी 2025।
माघी पूर्णिमा 12 फरवरी 2025।
महा शिवरात्रि 26 फरवरी 2025 हैं, जिन पर स्नान करने के लिए देश विदेश से श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों के दिव्य भव्य व नव्य महाकुंभ की

बहुत सारी विशेषताएं हैं। सरकार ने महाकुंभ–2025 को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप प्रदान करते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का कार्य किया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरे महाकुंभ स्थल को एक जनपद का दर्जा दिया गया है और वहां पर जनपद स्तरीय अधि ाकारियों की पूरी टीम तैनात की गयी है। एक जनपद की तरह ही जरूरी विभिन्न विभागों के कार्यालय सर्किट हाउस और पुलिस लाइन का निर्माण किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आने की उम्मीद को देखते हुए इस बार कुंभ क्षेत्र का विस्तार 4000 हेक्टेयर में किया गया है, भारी भीड़ के मद्देनजर महाकुंभ की बसावट में बदलाव किया गया है। इस बार 25 सेक्टर में महाकुंभ नगरी को बसाया गया है। एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर जाने के लिए गंगा पर 30 पोंटून पुल बनाये गये हैं।

महाकुंभ में श्स्वच्छ भारत मिशनश को अमली जामा पहनाने के लिए स्वच्छता का माडल प्रस्तुत होगा। योगी सरकार ने महाकुंभ को स्वच्छता के माडल के रूप में देश व दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए पूरी तैयारी की है। योगी सरकार ने स्वच्छ महाकुंभ के मद्देनजर इस बार 1.5 लाख शौचालय बनाये हैं, मेला क्षेत्र में 25 हजार कूड़ेदान लगाए गए हैं, 15 हजार स्वच्छता कर्मी तैनात किए हैं, 160 अपशिष्ट प्रबंधन वाहनों का इंतजाम किया है।

महाकुंभ को दिव्य व भव्य बनाने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिर एवं घाटों का सौंदर्यीकरण किया गया है, 29 मंदिरों का सौंदर्यीकरण किया गया है, 11 कॉरिडोर का विकास किया गया है, 12 किमी अस्थायी घाट का निर्माण किया गया है, 8 किमी रिवर फ्रंट सड़कें बनाई गयी हैं।

महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए सबसे बड़ा अस्थायी शहर बनाया गया है, 1.5 लाख टेंट लगाये गये हैं, 69 हजार एलईडी लाइटिंग और सौर हाइब्रिड स्ट्रीट लाइटिंग लगायी गयी हैं। 400 किलोमीटर से अधिक की अस्थायी सड़कें और चेक–ओर्ड प्लेट शीट बनायी गयी हैं।

महाकुंभ की तैयारियों के लिए प्रयागराज को स्मार्ट सिटी के रूप में तैयार किया गया है।

1800 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में पार्किंग विकसित की गयी है,

201 सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया, 40 जंक्शनों और 48 सड़कों का सौंदर्यीकरण किया गया, 14 आरओबी और फ्लाईओवर का विकास किया गया है।

डिजिटल कुंभ के लिए 1.5 लाख

टेंट और शौचालयों की निगरानी की जा रही है, 2600 से अधिक

भीड़ निगरानी सेटअप कैमरे जगह–जगह लगाए गए हैं, 24•7 आईसीसीसी निगरानी रहेगी,

10 डिजिटल खोया–पाया केंद्र बनाए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महाकुंभ की इन विश्व स्तरीय अत्याध ुनिक तैयारियों के दम पर ही कहा जा सकता है कि इस बार 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ के मेले मे त्रिवेणी संगम तट और गंगा, यमुना, सरस्वती मिलन के स्थल पर संत, महात्मा, श्रद्धालु व पर्यटक भारी संख्या में आकर के सुलभता के साथ स्नान करते हुए अपने जीवन को धन्य करेंगे और देश व प्रदेश की जीडीपी में अपना योगदान देंगे।

ट्रंप की नीतियों से निपटने की तैयारी, भारत को संभावित संकटों पर देना होगा ध्यान

भरत झुनझुनवाला

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक यह है कि वह अपने देश में ही उत्पादन एवं विनिर्माण को बढ़ावा देना चाहते हैं। आगामी 20 जनवरी को विधिवत कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने ऐसे स्पष्ट संकेत भी दिए हैं। वह अमेरिकी उद्यमियों से कह रहे हैं कि वे दूसरे देशों में अपने कारखाने बंद कर उन्हें वापस अमेरिका लाएं। इससे भारत जैसे देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित होगा। इसके साथ ही ट्रंप अपने देश में आयात होने वाले माल पर कर बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने धमकी दी है कि यदि ब्रिक्स देशों ने व्यापार के लिए डॉलर के मुकाबले किसी अन्य मुद्रा का सहारा लिया तो वह इन देशों से होने वाले आयात पर कर 100 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे। इसका भी भारत पर असर पड़ेगा। यदि ट्रंप इस रणनीति पर आगे बढ़ते हैं तो भारत को विदेशी निवेश एवं निर्यात दोनों से डॉलर की आय कम होगी।

भारत के विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर घटेंगे, जबकि आयात के लिए उनकी मांग पूर्ववत रहेगी। इस कारण डॉलर की हैसियत मजबूत होगी और रुपया कमजोर होता जाएगा। रुपये पर मंडराते इस संकट को हम अनदेखा नहीं कर सकते। जैसे आंधी आने से पहले खिड़की बंद कर ली जाए तो कुछ राहत मिल सकती है, वैसे ही हम स्वयं अपने आयात कर बढ़ा दें तो भारत में विदेशी माल महंगा हो जाएगा और आयात में भी गिरावट आएगी। ट्रंप द्वारा आयात कर बढ़ने से हमारे निर्यातों में जो कमी आएगी उसी के समानांतर हमारे आयातों में कमी आएगी और रुपये की सेहत भी नहीं बिगड़ेगी।

जैसे ट्रंप द्वारा आयात कर बढ़ाने से हमारे कुटीर उद्योगों द्वारा रंगी जाने वाली साड़ी के निर्यात कम हो जाएंगे, वैसे ही भारत द्वारा आयात कर बढ़ाने से अमेरिकी चाकलेट की भारत में मांग घट जाएगी। आयात कर बढ़ने से महंगाई बढ़ना भी जरूरी नहीं है। ऐसे में, सरकार को चाहिए कि बढ़े हुए आयात कर से हुई अतिरिक्त आय के बराबर जीएसटी में छूट दे। तब उपभोक्ता पर भार नहीं बढ़ेगा। आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी तो घरेलू वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी और ऐसी स्थिति में कुल महंगाई नहीं बढ़ेगी।

हमारे आयातों में प्रमुख कच्चा तेल है। रुपये में गिरावट से हमें तेल के लिए ज्यादा राशि अदा करनी होगी। इससे पेट्रोल–डीजल महंगे हो जाएंगे। इस संकट का उपाय है कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों को उचित प्रोत्साहन दिया जाए। तब हम इस आपदा को अवसर में बदलकर तेल के आयात पर अपनी दीर्घकालीन निर्भरता से उबरने की दिशा में बढ़ेंगे। आयातित खाद्य तेल और दालों के मामले में भी यही स्थिति है। इसकी काट भी यही है कि तिलहन एवं दलहन के समर्थन मूल्यों में भारी वृद्धि की जाए, जिससे देश में ही इनका पर्याप्त उत्पादन हो। कई उद्योगों में विदेश से आयातित कच्चा माल लगता है। रुपये में गिरावट से यह कच्चा माल महंगा हो जाएगा। इस कच्चे माल पर सरकार को आयात कर में छूट देनी चाहिए। साथ ही आयातित लक्जरी कार आदि को महंगा होने देना चाहिए, जिससे घरेलू उत्पादों का उपयोग बढ़े। सरकार को जनता को विश्वास में लेना होगा कि आयातित माल का महंगा होना अल्पकालिक संकट है। जिस प्रकार अफीम की लत लगी हो तो छोड़ने में परेशानी होती है, उसी प्रकार हम सस्ते आयातों की लत में लगे हुए हैं और एक बार इन्हें छोड़ने में परेशानी होगी।

सरकार को खुलकर जनता को यह बात बतानी चाहिए और उसका सहयोग मांगना चाहिए जिससे आयातित माल की महंगाई से जनता बिफरे नहीं। यदि सरकार ने इन नीतियों को अपनाया तो महंगाई भी नियंत्रण में रहेगी। मेरे अनुमान से एक वर्ष तक आयातित माल के दाम बढ़ने के बाद फिर इनके घरेलू विकल्पों का उत्पादन बढ़ जाएगा और अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी पर आ जाएगी। हम आगे आयातों पर अपनी निर्भरता से उबर जाएंगे। इसके विपरीत यदि सरकार ने आयातित माल के दाम पूर्ववत बनाए।

तीर्थाटन और पर्यटन

बोरिया–बिस्तर बांधना एक पुराना मुहावरा है, लेकिन इसका अर्थ हमेशा एक–सा नहीं रहा। एक जगह से ऊब गए तो बोरिया–बिस्तर बांध चल पड़े देशाटन को। जी हां, तब पर्यटन शब्द चलन में नहीं था, पर देशाटन के लिए निकलने वालों की कोई कमी नहीं थी। अपने आसपास या दूर को जानना–पहचाना, लंबे निकल जाना और लौटकर बिना बुद्धू बने घर वापस आना खूब चलता था। इस देशाटन में दिशाएं, पड़ाव या मंजिल, कुछ भी तय नहीं रहता था। तीर्थाटन इससे बिल्कुल अलग था। दिशा, जगह, पड़ाव, मंजिल, मौसम सब कुछ तय रहता था। तीर्थ सब दिशाओं में थे। सचमुच उत्तर, दक्खिन, पूरब और पश्चिम। तीर्थ भी सब धर्मों के– केवल हिंदुओं के नहीं, जिनमें अन्य धर्मों के लोग भी आते–जाते थे। हर पीढ़ी की ऐसी इच्छा होती कि अपनी अगली पीढ़ी के हाथों घर–गिरस्ती सौंपने से पहले एक बार इनमें से कुछ तीर्थों के दर्शन कर ही लें। शरीर में सामर्थ्य हो तो अपने दम पर, नहीं तो श्रवण कुमारों की भी कोई कमी नहीं थी जो अपने बूढ़े माता–पिता को श्बहंगीश में उठाकर सब दिखा–घुमा लाते थे। ये तीर्थ भी दो तरह के माने गए थे। एक श्स्थावरश यानी किसी विशेष स्थान पर बने, जहां लोगों को पुण्य कमाने खुद ही जाना पड़ता था। लेकिन कुछ ऐसे भी तीर्थ थे, जिन तक जाना नहीं पड़ता था – वे आपके घर–दरवाजे स्वयं आकर दस्तक देते थे। ऐसे तीर्थ श्जंगम–तीर्थश कहलाते थे – यानी चलते–फिरते तीर्थ। समाज में बिना स्वार्थ साधे सबके लिए कुछ–न–कुछ अच्छा करते–करते कुछ विशेष लोग संत, विभूति श्जंगम–तीर्थश बन जाते थे। उनका घर आ जाना तीर्थ जैसा पुण्य दे जाता था। समय के साथ बहुत–सी चीजें, व्यवस्थाएं बदलती हैं। सब कुछ रोका नहीं जा सकता, लेकिन हमें पता तो रहे कि हमारे आसपास धीरे–धीरे या खूब तेजी से क्या–कुछ बदलता जा रहा है। आज के पर्यटन से पहले देशाटन और तीर्थाटन था और सब जगह इसके साथ एक पूरी अर्थ–व्यवस्था थी। उससे तीर्थों के आसपास के अनगिनत गांव, शहर भी जुड़े रहते थे। वह आज के पर्यटन उद्योग की तरह नहीं था। एक तरह का ग्रामोद्योग या कुटीर उद्योग था। उदाहरण के लिए बदरीनाथ या हिमालय की श्चार धाम यात्राश को ही लें। यह तीर्थ यात्रा साल में कोई छह महीने चलती थी। पूरे देश से लोग यहां आते थे। हिमालय में तब सड़कें नहीं थीं। मैदान में बसे हरिद्वार या ऋ षिकेश से शुरु होकर सारी यात्रा पैदल ही पूरी की जाती थी। प्रारंभिक पड़ाव में धर्मशालाएं थीं। उसके बाद ठहरने, रुकने, खाने–पीने का इंतजाम रास्ते के दोनों तरफ पड़ने वाले छोटे–बड़े गांवों के हाथों में ही रहता था। पूरा देश स्वर्ग जाने वाली इन छोटी–छोटी पगडंडियों से पैदल ही चढ़ता–उतरता था। हां, कुछ लोग तब भी सामर्थ्य, मजबूरी आदि के कारण पालकी, डोली या खच्चर का प्रयोग कर लेते थे। इंदौर रियासत की अहिल्याबाई पालकी से ही बदरीनाथ गई थीं और आज के चमोली जिले के पास गोचर नामक एक छोटे–से कस्बे में अपनी उदारता, जीवदया और किसानों की जमीन के अधिग्रहण के कुछ सुंदर नमूने आज के नए राजा–रानियों के लिए भी छोड़ गई थीं। यह सारा रास्ता मील में नहीं बांटा गया था। कहां पगडंडी सीधी चढ़ाई चढ़ती है, कहां थोड़ी समतल भूमि है, कितनी थकान किस हिस्से में आएगी, उस हिसाब से इसके पड़ाव बांटे गए थे। इतनी चढ़ाई चढ़ गए, थक गए तो सामने दिखती थीं सुंदर चट्टियां। चट्टी यानी मिट्टी–गोबर से लिपी–पुती सुंदर बड़ी–बड़ी, लंबी–चौड़ी सीढ़ियां। रेल के पहले दर्जे की शायिकाओं जैसी अनगिनत सीढ़ियां। इन पर प्रायरू साफ–सुथरे बोरे स्वागत में बिछे रहते थे। लोग अपने साथ कुछ हल्का–फुल्का बिछौना लाए हैं तो उसे इन चट्टियों पर बोरे के ऊपर बिछाकर आराम करेंगे। नहीं तो गांव के कई घरों से गद्दे–तकिए, रजाई, कंबल, मोटी ऊन की बनी दरियां नाममात्र की राशि पर प्रेम से उपलब्ध ा हो जाती थीं। इन दरियों को श्दनश कहा जाता था। गलीचे, कालीननुमा ये दन इतने आकर्षक होते थे कि यात्रा से लौटते समय इनमें से कुछ के सौदे भी हो जाते थे। हाथ के काम का उचित दाम बुनकर को मिल जाता था। इन सेवाओं का शुल्क भी बाद में ही आया। शुरू में तो एक–सी सुविध ा का दाम अलग–अलग लोग अपनी हैसियत और इच्छा, श्रद्धा से चुकाते थे। इन्हीं चट्टियों के किनारे के गांव अपने–अपने घरों से फल, सब्जी, दूध–घी, आटा, दाल, चावल, गरम पानी आदि का इंतजाम किया करते थे। पूरे देश के कोने–कोने से आए तीर्थयात्रियों की छह महीने की यह मौसमी अर्थव्यवस्था पहाड़ों की सर्दी को थोड़ा गरम बनाए रखती थी। आजादी के बाद इन पैदल रास्तों के किनारे धीरे–धीरे मोटरगाड़ी जाने लायक सड़कें बनने लगीं, पर अचानक 1962 में चीन की सीमा पर हुई हलचल ने इस काम में तेजी ला दी। धड़ाधड़ सड़कें बनती गईं, पगडंडिया उजड़ती गईं। इस शानदार व्यवस्था की कुछ स्मृति बदरीनाथ मंदिर से थोड़ा नीचे बनी हनुमान चट्टी पर अभी भी छिपी है। इन चट्टियों की विदाई से तीर्थ क्षेत्र के पैदल रास्ते के दोनों ओर बसे गांवों में कैसी उदासी छायी होगी – इस पर उत्तराखंड के विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं ने शायद ही कभी ध्यान दिया हो। आज तीर्थाटन पर्यटन में बदल गया है। सैर–सपाटे पर जाने का, या कहें विज्ञापन छापकर जबरन सैर करवाने का पूरा एक नया उद्योग खड़ा हो चुका है। तीर्थयात्राएं अभी भी हो रही हैं, पर वे भी इसी पर्यटन का हिस्सा बन गई हैं। उन्हें बाजार की पैसा कमाने वाली व्यवस्था ने निगल लिया है। उत्तर से दक्षिण तक के बड़े–बड़े मंदिर, तीर्थ–स्थान अब कंप्यूटर से जुड़ गए हैं। ई–आरती, ई–बुकिंग, ई–दर्शन, ई–यात्रा – भगवान का सब कुछ बाजार ने अपनी लालची तिजोरी में डाल लिया है। शायद भगवान भी आने वाले दिनों में ई–कृपा बांटने लगें। ऐसा नहीं है कि सड़कें आनंद के स्वर्ग तक नहीं ले जातीं, लेकिन पर्यटन और तीर्थ के स्थानों तक आनन–फानन पहुंचाने की यह व्यवस्था अपने साथ एक विचित्र भीड़भाड़, भागमभाग, कुछ कम या ज्यादा गंदगी, थोड़ी–बहुत छीना–झपटी, चोरी–चपाटी, सब कुछ लाती हैं। चट्टी वाले दौर में देश के लोगों को हिमालय का अद्भुत सौंदर्य देखने को मिलता था। सड़क आने से यह दर्शन और भी सुलभ होना चाहिए था, पर सड़क से सिर्फ तीर्थयात्री ही नहीं आते, पूरा व्यापार आता है। उस व्यापार ने यहां के जंगलों का सौदा भी बड़ी फुर्ती से कर दिया है। अब हरिद्वार से बस में बैठा पर्यटक पूरा हिमालय पार कर ले – उसे कहने लायक सुंदर दृश्य, सुंदर जंगल कम ही दिखेंगे ।तुरत–फुरत पैसा कमाने की होड़ ने कई रास्ते बदल दिए हैं। पहले की यात्रा में तुंगनाथ और रुद्रनाथ शामिल थे। इनमें तुंगनाथ तो पूरे चार ध ाम के अनुभव में विशेष स्थान रखता था। उसके रास्ते में चोबता नाम की एक जगह के पास बनी चट्टियों में सचमुच अनुपम सौंदर्य आपकी प्रतीक्षा में खड़ा मिलता था। इस पैदल सड़क को बनाने वाले पीडब्लूडी विभाग ने एक बोर्ड यहां ऐसा ही टांग दिया था। ऐसे अनुभवों से बिलकुल अलग थीं, राजस्थान की भर्तृहरि और चाकसू तीर्थ क्षेत्रों की व्यवस्थाएं। अलवर और जयपुर जिलों में बने इन स्थानों की पूरी बसाहट कुछ अलग ढंग की है। यहां प्रवेश करते ही अनेक धर्मशालाएं दिखने लगेंगी जिनमें न दरवाजे हैं, न खिड़कियां। भवन छोटा हो या बड़ा, प्रवेशद्वार तक नहीं मिलेगा। यहां किसी भी धर्मशाला में बोर्ड नहीं, बनाने वाले का नाम नहीं, चौकीदार नहीं, दफ्तर या प्रबंधक नहीं। जहां मन करे, जगह मिल जाए, उसी कमरे में रुक जाएं। ऐसी व्यवस्था बहुत सोच–समझकर बनाई गई थी। तीर्थक्षेत्र में अपना नाम, अपना महत्व, अपना पैसा, अपना खानदान, स्वामित्व की भावना सब कुछ भुला दो। तीर्थयात्री के रहने का प्रबंध करो और श्रेय प्रभु अर्पण कर दो। एक पुराना किस्सा बताता है कि यहां किसी सेठ ने तीन मंजिल की एक सुंदर धर्मशाला बनाई थी। उनके मुंशी की गलती से उस नवनिर्मित भवन में, पहले ही दिन कुछ क्षणों के लिए यह मेरा है की गंध आई थी। तीर्थक्षेत्र में यह दुर्गंध तेजी से फैली और उसने तुंरत सेठ को आदेश दिया कि यह पूरी धर्मशाला, तीन मंजिला भवन तुम अपने हाथ से हथौड़ा मार–मारकर गिरा दो। सेठ ने खूब समझाया कि मिल्कियत का निशान तो अब मिटा दिया है, इतनी सुंदर इमारत भला क्यों तुड़वा रहे हो। न जाने कितने सालों तक कितने ही तीर्थयात्रियों के काम आएगी, पर निर्णय हो चुका था। पूरी धर्मशाला तोड़ दी गई। यह किस्सा शायद 500 बरस से यहां आने वाले हर तीर्थयात्री को याद है– एक आदर्श की तरह। ऐसी सख्ती तब नहीं दिखाई गई होती तो वह धर्मशाला यहां आने वालों को कानून तोड़ने का सरल रास्ता और तर्क सुझाती रहती। चाकसू की धर्मशाला अपने को मिटाकर एक आदर्श की तरह उपस्थित है, समाज के मन में। जीवन को भी एक यात्रा ही कहा गया है।

अधिकारी को मां के साथ 6 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा, 18 लाख रुपये की लगाई चपत

वाराणसी। बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बरेका) में डिपो सामग्री अधीक्षक अनिल सिंह कुशवाहा और उनकी मां को छह दिन तक डिजिटल हाउस अरेस्ट रख कर साइबर जालसाजों ने 18.82 लाख रुपये की ठगी कर ली। बरेका के अधिकारी की तहरीर पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी।

बरेका कॉलोनी निवासी अनिल सिंह कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि गत 31 दिसंबर को उन्हें एक व्यक्ति ने फोन किया था। उसने कहा था कि आपके नाम से जारी क्रेडिट कार्ड से 1.63 लाख रुपये की शॉपिंग की गई है। अनिल ने फोन करने वाले को बताया कि उनके नाम से कोई क्रेडिट कार्ड नहीं है। इस पर उसने उनके आधार कार्ड के गलत उपयोग की जानकारी दी और कहा कि मुंबई साइबर क्राइम थाने की पुलिस बात करेगी। मामले में शिकायत दर्ज है। अनिल ने कहा कि कथित पुलिस कर्मियों ने उन्हें नरेश अग्रवाल मनी लॉन्ड्रिंग केस का संदिग्ध बताया। साथ ही उनके नाम से अरेस्ट वारंट दिखा कर डराया और गिरफ्तार करने की धमकी दी। अनिल ने अरेस्ट वारंट मानने से इन्कार कर दिया। इस पर फोन करने वाले ने उनका अरेस्ट वारंट होल्ड करने और उनकी चल संपत्ति की जांच करने के लिए सिक्योरिटी मनी के तौर पर 20 लाख रुपये जमा करने को कहा। उन्होंने कथित पुलिसकर्मी की तरफ से बताए गए बैंक खातों में चार से छह जनवरी के बीच 18.82 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस दौरान एक जनवरी से छह जनवरी तक वह और उनकी मां अपने ही घर में डिजिटल हाउस अरेस्ट रहे। छह जनवरी की शाम कथित पुलिसकर्मी ने ऑनलाइन रसीद भेजी, जो संदिग्ध लगी। इसके बाद अनिल सिंह कुशवाहा ने हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

डेढ़ लाख ने गंगा में लगाई डुबकी, एक लाख से ज्यादा किए मां विंध्यवासिनी के दर्शन

विंध्याचल। पौष पूर्णिमा पर सोमवार को गंगा के तट पर आस्थावानों का रेला उमड़ पड़ा। नगर और ग्रामीण क्षेत्र के घाटों पर जुटे करीब डेढ़ लाख लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। वहीं, एक लाख से ज्यादा भक्तों ने मां विंध्यवासिनी और अष्टभुजा के दर्शन किए। कड़ाके की ठंड और कोहरे के बावजूद भोर से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो दिनभर चलता रहा। गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के बाद हाथ में नारियल, चुनरी व प्रसाद लिए भक्त मां विंध्वासिनी की एक झलक पाने के लिए कतार में लगे रहे। मंदिर की ओर से जाने वाली गलियां माता के जयकारे से गूंजती रहीं। किसी ने गर्भगृह तो किसी ने झांकी दर्शन कर माता से सुख और समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में विराजमान मां काली, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, मां दुर्गा, श्री पंचमुखी महादेव, दक्षिणमुखी हनुमान और एवं बटुक भैरव का पूजन किया।

पत्नी पर बांका से किया वार, फिर खून से लथपथ बीवी को तड़पते देख कुएं में कूद गया पति

वाराणसी। वाराणसी के ऊपरवार (कोटिया) गांव में सूरत से घर पहुंचे व्यक्ति ने पत्नी के गले पर बांका से वार कर दिया। पत्नी ने बचने के लिए दायां हाथ उठाया तो उसे गहरी चोट लगी और खून से लथपथ होकर वह जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद पति ने कुएं में छलांग लगा दी। हालांकि वह बच गया, लेकिन उसकी कमर टूट गई। वारदात के पीछे की वजह पत्नी के चरित्र पर पति का शक करना बताया गया है। दंपती को इलाज के लिए अलग–अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कपसेठी थाना क्षेत्र के ऊपरवार (कोटिया) गांव निवासी 55 वर्षीय व्यक्ति दो बालिग बच्चों का पिता है। वह छह वर्ष से सूरत में एक कंपनी में काम करता है। उसे किसी ने बताया कि उसकी 52 वर्षीय पत्नी का गलत संबंध गांव के ही एक व्यक्ति से है। इससे नाराज होकर वह सूरत से घर के लिए चला और वहीं एक धारदार बांका खरीद कर अपने बैग में रख लिया।

घर पहुंचते ही वह जैसे ही अपनी पत्नी को देखा तो उस पर बांका से वार कर दिया। फिलहाल वारदात के संबंध में किसी की ओर से कपसेठी थाने में तहरीर नहीं दी गई है। पत्नी पर जानलेवा वार कर पति के कुएं में कूदने की घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

विवाहिता के पिता ने दामाद और ससुर पर लगाया हत्या का आरोप

घोसी। स्थानीय नगर के कस्बा खास बड़ी बाजार में नव विवाहिता शबाना खातून की मौत पर सोमवार पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर पति और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। सोमवार की देर रात्रि में दामाद शमशाद अहमद एवं ससुर शमशाद अहमद के पिता यासीन के विरुद्ध केस दर्ज कर शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया। ससुराल पक्ष के मुताबिक सोमवार को घर में खाना बनाने के दौरान बेहोश होने पर उसे सीएचसी पर लाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था। शाम को तीन बजे बलिया से मायके से आने के बाद दोनों पक्ष पहले सुलह के राजी हो गए थे।

सरयू और तमसा में 10 हजार ने लगाई डुबकी

मऊ। श्रद्धा और भक्ति का पर्व मकर संक्रांति मंगलवार को नगर सहित जिले के विभिन्न इलाकों में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जगह–जगह मेले का आयोजन किया गया। ठंड होने के बाद भी आस्था भारी पड़ी। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर नगर के हनुमान घाट, मड़इयाघाट, बमघाट, ढेकुलिया घाट और रामघाट ब्रह्मस्थान पोखरा, शीतला माता धाम स्थित पोखरा तथा नागा बाबा की कुटी सहित दोहरीघाट के सरयू तट के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही स्नान करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। लोगों ने स्नान कर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। 10 हजार श्रद्धालुओं ने नदी में डुबकी लगाने के साथ ही तिल, चावल दान कर दान–पुण्य रस्म पूरी की। साथ ही मंदिरों में पूजा अर्चना कर मत्था टेककर भगवान से मन्नतें मांगी। वहीं नगर सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले पारंपरिक मेले में अपार जनसमूह उमड़ा। इस अवसर पर लोगों ने तिल, लाई, गुड, चूड़ा खाकर त्योहार को मनाया। हर वर्ष की तरह सहादतपुरा मोहल्ला स्थित ब्रह्मस्थान पर सुबह से ही मेले में बच्चों ने झूले तथा चटपटी वस्तुओं का लुत्फ उठाया। बच्चों ने पूरे दिन घूमकर पतंगबाजी कर खिचड़ी पर्व को मनाया। पिपरीडीह क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में मकर संक्रांति का पर्व परंपरागत मरीके से मनाया गया। क्षेत्र के वनदेवी धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इस दौरान मंदिर पर भजन कीर्तन किया गया। मंदिर पर लगे मेले का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। करहां क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। पाताल गंगा सरोवर बाबा घनश्याम दास कुटी, शमसाबाद कुटी सरोवर, प्राचीन शिवालय देवरिया के सरोवर, आगरी सरोवर पर भारी संख्या में लोगों ने स्नान किया। साथ ही मंदिरों में विधि विधान से पूजन अर्चन किया। सबसे ज्यादा भीड़ कस्बे के रामघाट पर रही। सुबह से ही रामघाट पर श्रद्धालुओं का जमावाड़ा लगा रहा। जहां मंदिरों में भगवान को स्नान कराया गया। इसके बाद नगर के हर मंदिरों के पुजारियों ने भगवान को नया वस्त्र पहनाते हुए उन्हें गुड़, तिल का भोग लगाया। वहीं रामघाट पर श्रद्धालुओं ने स्नान कर चावल, तिल, गुड़ आदि का दान किया।

चार साल में इरी के स्पीड ब्रीड की 30 हजार धान की प्रजातियों पर रिसर्च, 100 में मिली सफलता

वाराणसी। दक्षिण एशिया के पहले स्पीड ब्रीड प्रयोगशाला में बीते चार साल में अब तक 30 हजार धान की प्रजातियों पर शोध हुए हैं। इनमें से 100 प्रजातियों पर सफलता मिली है। इनको देश के कई हिस्सों में लगाया गया है। वर्ष 2021 में चांदपुर के अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में तीन करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से बने दक्षिण एशिया के पहले स्पीड ब्रीड प्रयोगशाला को चार साल हो चुके है। प्रयोगशाला के प्रभारी डॉ. उमा महेश्वर ने बताया कि प्रयोगशाला में दस साल के शोध को पिछले चार साल में पूरा किया गया है। इनमें 100 प्रजातियों पर सफलता मिली है। इन प्रजातियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, सूखा और बाढ़ रोधी क्षमताओं पर शोध किया गया। अब इन प्रजातियों को देश के अलग अलग फार्मों पर खुले वातावरण में लगाया गया है। यहां परिणाम अच्छे हुए इन प्रजातियों को राष्ट्रीय बीज अनुसंधान में

प्रमाणीकरण के लिए भेजा जाएगा।

इरी में कृषि वैज्ञानिक पाकिस्तान, भूटान, मालदीव, नेपाल, भारत सहित दक्षिण एशियाई देशों के लिए धान की उन्नत प्रजातियों पर शोध कर रहे हैं। पहले धान की प्रजातियों पर शोध करने में 10 साल लगते थे, अब स्पीड ब्रीड प्रयोगशाला में चार साल में ही क्रॉस प्रजातियों पर शोध पूरे हो रहे हैं। इससे किसानों को नई और उन्नत प्रजाति के बीज मिलेंगे।अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी को देखते हुए पादप प्रजनन फैसिलिटी (स्पीड ब्रीड) कृषि वैज्ञानिकों के बीच एक उभरती हुई तकनीक है। पहले एक साल में सामान्य विधि मौसम के आश्रय एक से दो संततियों को प्राप्त किया जा सकता था जबकि स्पीड ब्रीड प्रयोगशाला में अब एक साल में चार से पांच संततियों (जनरेशन) को प्राप्त किया रहा है।

शादी के छह माह बाद विवाहिता ने फंदा लगाकर जान दी

मिर्जामुराद। करधना गांव में सोमवार की रात विवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। विवाहिता की शादी छह माह पहले हुई थी। मंगलवार की सुबह परिजनों की सूचना पर पहुंची मिर्जामुराद थाने की पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव फंदे से नीचे उतारा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर पुलिस ने पति सहित ससुराल के चार लोगों को हिरासत में लिया है। घटना की वजह घरेलू कलह बताई गई है।

मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के करधना गांव निवासी विकास पटेल उर्फ विक्की से बीरभानपुर की किरन देवी (23) की छह माह पहले शादी हुई थी। विक्की अपने भाई और कुछ दोस्तों के साथ सोमवार को अदलपुरा स्थित मां शीतला का दर्शन–पूजन करने गया था। इधर किरन अपने कमरे की कुंडी अंदर से बंद कर पंखे के सहारे साड़ी के फंदे से झूल कर जान दे दी। पुलिस की सूचना पर आए मायके वालों ने बताया कि पावरलूम संचालक विकास नशे का आदी होने के कारण किरन से आए दिन विवाद कर उसे प्रताड़ित करता था। मायके वालों ने कहा कि ससुराल के लोगों ने किरन की हत्या की है। मिर्जामुराद थाने की पुलिस किरन के पति, सास और ससुर सहित चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की बात कही है।

बैरियर का एंगल तोड़ते हुए रेलवे ट्रैक पर पहुंचा मिनी ट्रक

मुहम्मदाबाद गोहना/वलीदपुर। तेज रफ्तार से आ रही मिनी ट्रक मुहम्मदाबाद गोहना रेलवे स्टेशन के पूर्वी रेल फाटक का बैरियर तोड़कर तीसरी लाइन के ट्रैक पर पहुंच गई। इस दौरान जोरदार टक्कर से ट्रक का इंजन टूटकर रेल ट्रैक पर बिखर गया। संयोग अच्छा था कि उस समय कोई ट्रेन नहीं आई। स्थिति को भांपते हुए चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर स्थानीय रेलवे अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी से ट्रक को ट्रैक से हटवाया। मंगलवार की भोर 3रू15 बजे गाजीपुर से मटर लाकर मिनी ट्रक मुहम्मदाबाद गोहना आ रहा था। इस बीच तेज रफ्तार ट्रक स्टेशन के पूर्वी रेल फाटक पर मुड़ने के बजाय सीधे लोहे के बैरियर से टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक बैरियर में लगा लोहे के मोटे एंगल तोड़कर रेल की दो ट्रैक को पार कर तीसरे पर पहुंच गया। इस बीच ट्रक का इंजन अलग होकर पटरी पर बिखर गया। भोर में तेज आवाज सुनकर कुछ लोग मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर रेलवे स्टेशन कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी मंगाकर ट्रक को वहां से हटवा कर स्टेशन परिसर में खड़ा कर दिया। स्थानीय रेलवे अधिकारियों ने सूचना उच्च अधिकारियों को दिया है। हादसा के वक्त कोई ट्रेन नहीं आई अन्यथा किसी बड़ी घटना की आशंका हो सकती थी।

कॉरिडोर पर लगाएं पत्थर के बेंच और गमले

चंदौली। मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मंगलवार को मां विंध्यवासिनी धाम परिसर का निरीक्षण किया। प्रवेश द्वार से लेकर अंदर दर्शन तक करने की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए। कमिश्नर ने कॉरिडोर में पत्थर के बेंच और गमले लगवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मंडलायुक्त को व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। दर्शनार्थियों के आने जाने व उनके लिए की जाने वाली व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मंदिर के आसपास लगे इलेक्ट्रिक हीटरों (विद्युत तापन मशीनों) का निरीक्षण किया। विंध्य कॉरिडोर में कार्यदायी संस्था को गेट पर और परिक्रमा पथ पर पत्थर से बनी बेंच लगवाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर के गेट और मुख्य स्थानों पर पत्थर से बने सुंदर बड़ा गमला लगवाएं और गमले में सुगंधित पौधों को भी लगवाएं। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी जी लाल ने अलाव के बारे में जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी शिवप्रताप शुक्ल व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नहर के ओवरफ्लो होने से 12 से ज्यादा किसानों की फसल डूबी

चिरईगांव। जाल्हूपुर क्षेत्र में शारदा सहायक नहर सोमवार को ओवरफ्लो हो गई। इसे 12 से ज्यादा किसानों की फसल डूब गई। नहर ओवरफ्लो होने से उकथी के बृजनाथ यादव, विशुनपुरा के नंदलला तिवारी, बिमला तिवारी, रामपुर के सुरेश यादव समेत 12 से ज्यादा किसानों की फसल जलमग्न हो गई है। शारदा सहायक नहर के अधिशासी अभियंता विपिन कुमार ने बताया कि पानी के ओवरफ्लो की जानकारी नहीं है। किसानों ने नहर का पानी रोकने तथा बर्बाद फसल के मुआवजे की मांग की है।

बरेका के अधिकारी को मां के साथ छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा, 18 लाख रुपये ठगे

वाराणसी। बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बरेका) में डिपो सामग्री अधीक्षक अनिल सिंह कुशवाहा और उनकी मां को छह दिन तक डिजिटल हाउस अरेस्ट रख कर साइबर जालसाजों ने 18.82 लाख रुपये की ठगी कर ली। बरेका के अधिकारी की तहरीर पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी। बरेका कॉलोनी निवासी अनिल सिंह कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि गत 31 दिसंबर को उन्हें एक व्यक्ति ने फोन किया था। उसने कहा था कि आपके नाम से जारी क्रेडिट कार्ड से 1.63 लाख रुपये की शॉपिंग की गई है। अनिल ने फोन करने वाले को बताया कि उनके नाम से कोई क्रेडिट कार्ड नहीं है। इस पर उसने उनके आधार कार्ड के गलत उपयोग की जानकारी दी और कहा कि मुंबई साइबर क्राइम थाने की पुलिस बात करेगी। मामले में शिकायत दर्ज है। अनिल ने कहा कि कथित पुलिस कर्मियों ने उन्हें नरेश अग्रवाल मनी लॉन्ड्रिंग केस का संदिग्ध बताया। साथ ही उनके नाम से अरेस्ट वारंट दिखा कर डराया और गिरफ्तार करने की धमकी दी। अनिल ने अरेस्ट वारंट मानने से इन्कार कर दिया। इस पर फोन करने वाले ने उनका अरेस्ट वारंट होल्ड करने और उनकी चल संपत्ति की जांच करने के लिए सिक्योरिटी मनी के तौर पर 20 लाख रुपये जमा करने को कहा।

आगरा-अहमदाबाद फ्लाइट में पहले दिन 120 यात्रियों ने किया सफर

आगरा (यूएनएस)। आगरा–अहमदाबाद फ्लाइट मकर सक्रांति (14 जनवरी) से शुरू हो गई। पहले दिन इस फ्लाइट में 120 यात्रियों ने सफर किया। 66 यात्री अहमदाबाद से आगरा आए और 54 यात्री आगरा से अहमदाबाद के लिए रवाना हुए। यह फ्लाइट सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। सिर्फ बुधवार को यह उड़ान नहीं आएगी। आगरा से अहमदाबाद के लिए दो घंटे का सफर होगा। बेंगलुरू, हैदराबाद और मुंबई के बाद आगरा से अब अहमदाबाद के लिए भी सीधी फ्लाइट शुरू हो चुकी है। इससे आगरा–अलीगढ़ मंडल के कपड़ा व्यापारियों को काफी लाभ मिलेगा। इंडिगो एयरलाइंस के मैनेजर देवराज पांडे ने बताया कि आगरा–अहमदाबाद फ्लाइट के लिए एटीआर विमान उपलब्ध कराया गया है, जो 78 सीटर है। मंगलवार को इस फ्लाइट ने अहमदाबाद से पूर्वाह्न 11.35 बजे उड़ान भरी। 2 घंटे की उड़ान के बाद दोपहर 1.35 बजे आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पर आई। यहां से दोपहर 1.55 बजे विमान अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी और शाम 4 बजे वहां पहुंची। बता दें कि पूर्व में भी आगरा से अहमदाबाद के बीच उड़ान शुरू की गई थी, लेकिन विमानों की कमी के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। तब भी आगरा से इस फ्लाइट को अच्छा रिस्पांस मिला था।

बीएचयू में ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत की पढ़ाई अब आसान

वाराणसी। बीएचयू में ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत की पढ़ाई अब आसान होगी। ज्योतिष विभाग में गणित के मानों की तीव्र गणना के लिए सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया गया है। महीनों में बनने वाला पंचांग अब पांच मिनट में बन सकेगा। शास्त्री और आचार्य से लेकर पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को सहूलियत देने के लिए ये कदम उठाया गया है। इस सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन कहीं से भी काम किया जा सकता है। गूगल पर 'सूर्य सिद्धांत डॉट इन' पर क्लिक कर कोई भी छात्र–छात्रा या प्रोफेसर अपना शोध कार्य कर सकते हैं। कई वर्षों तक के ग्रहों के रहस्य के बारे में पता कर सकेंगे। संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के प्रमुख प्रो. राजाराम शुक्ल ने बताया कि तीन साल साल से सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा था। डॉ. सुभाष पांडेय के निर्देशन में डॉ. अमित कुमार मिश्र और डॉ. गौरव मिश्र ने इसे तैयार किया है। डॉ. सुभाष पांडेय ने कहा कि किसी भी वर्ष का पंचांग बनाना हो, तिथियों की शुद्धि और ग्रहों की चाल, गति और स्थितियों का पता लगाने के लिए जो भी गणित सूत्रों का इस्तेमाल किया जाता है, उन सबका आकलन पांच मिनट में लैपटॉप में किया जा सकता है। सृष्टि निर्माण से लेकर आगामी कई वर्षों की भविष्यवाणी में इस्तेमाल होने वाले गणितीय मान को आसानी से ज्ञात किया जा सकता है।

प्रिंसिपल की आत्महत्या में परिजनों ने डायरेक्टर की भूमिका को बताया संदिग्ध

शिवपुर (वाराणसी)। बाबतपुर स्थित बनारस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी के नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल सुष्मिता सिंह (30) की आत्महत्या मामले में मंगलवार को उनके ससुर ने संस्थान के डायरेक्टर की भूमिका संदिग्ध बताई। इस संबंध में उन्होंने शिवपुर थाने की पुलिस को तहरीर दी है। दूसरी तरफ, जीआरपी ने पोस्टमार्टम करा कर सुष्मिता का शव परिजनों को सौंप दिया। उधर, डायरेक्टर ने सुष्मिता के परिजनों के आरोपों को निराधार बताया है। शिवपुर स्थित चंद्राग्रीन अपार्टमेंट में सुष्मिता सिंह अपनी आठ वर्षीय बेटी के साथ रहती थीं। उनके पति सौरभ सिंह सिक्किम में केमिस्ट हैं। सोमवार की शाम सुष्मिता ने तरना ओवरब्रिज के नीचे सुल्तानपुर पैसेंजर के सामने कूदकर जान दे दी थी। सुष्मिता के ससुर जौनपुर जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के धनरखा, कछवन निवासी दशरथ सिंह ने पुलिस को तहरीर दी और बताया कि उनकी बेटी खुशहाल नगर में रहती है। सुष्मिता की भांजी की शादी और उसके नवनिर्मित मकान का गृहप्रवेश 26 जनवरी को होना था। सब इसकी तैयारी में लगे थे। सोमवार की शाम लगभग पांच बजे सुष्मिता को चंद्राग्रीन अपार्टमेंट में बुलाया गया था। वह एक घंटे में वापस आने की बात कह कर गई थी, लेकिन नहीं आई। फोन करने पर किसी ने फोन उठाया और बताया कि तरना पुल के नीचे वह ट्रेन के सामने कूद गई। परिवार के लोग और सुष्मिता के भांजे हर्षवर्धन मौके पर गए। हर्षवर्धन ने बताया कि संस्थान के डायरेक्टर आनंद कुमार पांडेय ने सुष्मिता के हाथ से कॉलेज का मोबाइल फोन छीन लिया था। साथ ही कॉलेज की तरफ से मुश्या कराए गए फ्लैट में ताला बंद कर दिया और चाबी लेकर चले गए। वह मंगलवार तक न आए और न किसी से संपर्क किए। ऐसे में कहीं ना कहीं उनकी भूमिका संदिग्ध है। इस संबंध में शिवपुर थानाध्यक्ष उदयवीर सिंह ने कहा कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई जाएगी।

काशी में अब त्रिपुंड जैसे साइनेज तमिल व तेलुगु भाषा में बताएंगे रास्ता

वाराणसी। काशी आने वाले दक्षिण भारतीय श्रद्धालुओं को तमिल और तेलगु भाषा के लिखे साइनेज रास्ता दिखाएंगे। त्रिपुंड जैसे लगने वाले साइनेज बोर्ड पर हिंदी, अंग्रेजी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषा में भी शहर के प्रमुख स्थान और उनकी दूरी प्रदर्शित की जाएगी। ये साइनेज शहर के प्रमुख तिराहों, चौराहों के अलावा घाटों पर लगाए जाएंगे। चौराहों पर वीडीए और घाटों पर नगर निगम की ओर से साइनेज लगवाए जाने हैं। त्रिपुंड की तरह लगने वाले साइनेज में बीच में भगवान शंकर का त्रिनेत्र होगा। इसमें वीडीए का लोगो होगा। इसके अलावा एक तरफ हिंदी और एक तरफ अंग्रेजी में जगह का जिक्र किया जाएगा। जिस तरफ अंग्रेजी में दिशा के बारे में बताया जाएगा उसी के नीचे तमिल और तेलुगु भाषा में भी जगह और दूरी का उल्लेख होगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के मुताबिक काशी में हुए काशी तमिल संगमम में आए लाखों दक्षिण भारतीय श्रद्धालुओं ने ये प्रस्ताव रखा था। इस वजह से ये पहल की गई है। कमिश्नर आवास, कचहरी चौराहा, आंबेडकर चौराहा, भेलूपुर चौराहे से अस्सी घाट मार्ग, सोनारपुरा से गोदौलिया मार्ग, अस्सी तिराहे से अस्सी घाट, महमूरगंज आकाशवाणी तिराहे से रथयात्रा, मलदहिया से मैदागिन, रवींद्रपुरी से बीएचयू, मलदहिया से सिगरा, कमच्छा से रथयात्रा, संदहा चौराहा, लहुराबीर चौराहा, मैदागिन चौराहा, चौकाघाट क्या बोले अधिकारी : पहले चरण में 18 जगहों पर त्रिपुंड के आकार के साइनेज लगेंगे। इसमें अंग्रेजी, हिंदी के अलावा तमिल–तेलुगु भाषा में जगहों का उल्लेख होगा। ताकि काशी आने वाले दक्षिण भारतीयों को सहूलियत मिल सके।

हस्तांतरण से पहले सिंथेटिक ट्रैक पर 9 जगहों से दरार

वाराणसी। सुपुर्दगी से पहले लालपुर स्टेडियम के सिंथेटिक ट्रैक में दरार आ गई है। खेल विभाग की रिपोर्ट पर क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने कार्यदायी संस्था को ट्रैक की मरम्मत करने को कहा है। चार सौ मीटर लंबे ट्रैक में नौ जगहों पर दरार आई है। पहले चार जगहों पर मरम्मत की जा चुकी है। डेढ़ साल में ही ट्रैक में आई दरारों की वजह से इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर कार्यदायी संस्था को इसे ठीक करने को कहा गया है। एथलीटों के स्पाइक जूते के घिसाव और दबाव से कुछ जगह छेद और दरारें स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। लालपुर स्टेडियम में आठ लेन का सिंथेटिक ट्रैक बनाया गया है।

डीएम ने पीडब्ल्यूडी से कहा, बिना नोटिस दिए किसी मकान पर न हो कार्रवाई

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को पड़ाव रामनगर सड़क निर्माण को लेकर बैठक हुई। इसमें डीएम ने पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि सड़क निर्माण में जिन काश्तकार और भवन स्वामी की जमीन या मकान प्रभावित हो रही है उन्हें नोटिस दिए बगैर मकान का कोई नुकसान नहीं होना चाहिए। कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान डीएम ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण में जिन काश्तकारों की जमीन या मकान आ रहा है उनसे बात करें। इनकी निजी जमीन प्रभावित हो रही या निजी जमीन पर भवनों का निर्माण है उनके जमीन के साथ भवन का भी अंश निर्धारण कर उचित मूल्य दिया जाएगा। यदि किसी की ओर से सरकारी जमीन, बंजर या गांव समाज की जमीन पर निर्माण होगा उनको सिर्फ भवन का मुआवजा दिया जाएगा। डीएम ने उपस्थित नागरिकों को भरोसा दिलाया कि सड़क चौड़ीकरण में जिनकी जमीन व घर आ रहा उन व्यक्तियों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होगा सभी कार्य नियमानुसार किए जाएंगे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी पीडीडीयू नगर सहित अन्य संबंधित अधिकारी व नागरिक उपस्थित रहे।

20 निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों से अनुबंध गर्भवती महिलाओं का निशुल्क होगा उपचार

मऊ। प्रदेश में रेडियोलॉजिस्ट की कमी को देखते हुए शासन की ओर नई पहल की गई है। स्वास्थ्य केंद्रों पर रेडियोलॉजिस्ट की कमी से प्रसूताओं की जांच में परेशानी हो रही थी। इसके निजात के लिए अब स्वास्थ्य विभाग निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों से अनुबंध किया गया है। इसमें उसी सेंटर पर गर्भवती महिलाओं की जांच की जाएगी। विभाग की तरफ से इसके लिए जनपद के अनेक क्षेत्रों में करीब 20 निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों से अनुबंध किया गया है। हर सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर इसकी सूची लगाई जाएगी, जिससे स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले गर्भवती और उसके तीमारदार को पूरी जानकारी मिल सके। माह की एक, नौ, 16 और 24 तारीख को सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें आने वाली गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए विभाग की निजी अल्ट्रासाउंड के साथ संबंद्ध होकर काम कर रहा है। महिलाओं की जांच कराने के बाद चिकित्सक के परामर्श पर अल्ट्रासाउंड कराने के लिए एक क्यूआर कोड दिया जाता है। इसे लेकर गर्भवती या उसके साथ आने वाले तीमारदार संबंध होने वाले अल्ट्रासाउंड सेंटर पर जाकर जांच करा सकेगी। गर्भवती महिलाओं की जांच पूरी तरह निरूशुल्क होगी। आने वाले दिनों में और भी निजी अल्ट्रासाउंड से संबंद्धता किया जाएगा। विभाग की तरफ से एक सीएचसी में कम से कम दो निजी अल्ट्रासाउंड को अटैच किया जाएगा।

इफको रिक्रिएशन क्लब के सचिव पद पर डी.के.शुक्ल हुए निर्वाचित

प्रयागराज।। फुलपुर इफको रिक्रिएशन क्लब के चुनाव डी.के.शुक्ल सचिव पद पर पुनः निर्वाचित हुए डी.के.शुक्ल ने राजीव वर्मा को 89 मतों से पराजित किया। डी.के.शुक्ल को 345 ,राजीव वर्मा को 256 तथा विवेक तिवारी को 88 मत मिले। उपाध्यक्ष पद पर कपिल देव कुमार 74 मतों से विजयी हुए। कपिल देव कुमार को 261, राजीव कुमार शर्मा को 187, आर.आर.पात्रा को 185 तथा अखिलेश चन्द्र यादव को 55 मत मिले। संयुक्त सचिव पद पर बलवंत कृष्ण यादव 84 मतों से विजयी हुए। बलवंत कृष्ण यादव को 386 तथा सुशील कुमार पाण्डेय को 302 मत मिले। संयुक्त कोषाध्यक्ष पद पर मानिक चंद्र ने विनीत कुमार दुबे को 52 मतों से पराजित किया। मानिक चंद्र को 370 तथा विनीत कुमार दुबे को 318 मत मिले। कार्य कारिणी सदस्य पद पर सतेन्द्र यादव, शिशि कांत मिश्र, रामबाबू जयसवाल निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी ए.के. श्रीवास्तव ने चुनाव शांति पूर्ण सम्पन्न होने पर सभी कर्मचारियों की सराहना की। इफको फूलपुर वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव ने जीते हुए सभी प्रत्याशियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

मेले में साधु संतों की नहीं मिल रही सुविधाएं, हो रहा व्यवसायी करण – स्वामी

प्रयागराज। महाकुंभ नगर मेले में साधु,संत, महंत महामंडलेश्वर एवं कल्पवासी साधकों की हो रही उपेक्षा से महाकुंभ मेला प्रयागराज में साधु संतों में रोष बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को बड़ी मात्रा में साधु संत महा मंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि से मिले। जहां साधु संतों ने रोष जताते हुए कहा कि जिस प्रकार महाकुंभ को लेकर व्यवसायीकरण किया जा रहा है पवित्र संगम क्षेत्र से साधु संतों एवं श्रद्धालु भक्तों को दूर करके व्यावसायिक फाइव स्टार टेंट तथा प्रशासनिक अधिकारियों विभागों के डाक बंगले बना दिए गए हैं। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के रिश्तेदार संबंधी संगम का पर्यटन कर रहे हैं। इससे संगम क्षेत्र की पवित्रता मर्यादा आध्यात्मिक अलौकिकता पर प्रभाव पड़ा है। कुंभ मेला यह धार्मिक आध्यात्मिक साधु संत देवताओं और श्रद्धालु भक्तों की आराधना का मेला है। वर्तमान सरकार और प्रशासन ने इसकी धार्मिकता और आध्यात्मिकता से खिलवाड़ किया है आधा मेला समाप्त होने के बाद अभी तक साधु संतों के शिविरों में शौचालय पानी स्वच्छता बिजली आदि का प्रबंध नहीं हो सका है। प्रशासन का सारा ध्यान वीआईपी एवं व्यवसायिक लोगों के प्रबंधन पर है।

महाकुम्भ मेला 2025

दिनांक 18.01.2025 को चलने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विभिन्न मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में समय–सारणीबद्ध निम्न रिंग रेल सेवा सहित आरक्षित, अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त अन्य मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा। दिनांक 18.01.2025 को चलने वाली समय–सारणीबद्ध मेला विशेष रेलगाड़ियों का विवरण निम्नवत है:–

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	संचलन की तिथि	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
आरक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची						
01803	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	12:00	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	09:00	18.01.2025 (शनिवार)	चिरगाँव, मोठ, ऐट, उरई, कालपी, पुखरायां, भीमसेन, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी, ओरछा
01804	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	20:10	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	16:30		
अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची						
04111	प्रयागराज जं.	06:00	प्रयागराज जं.	18:50	18.01.2025 (शनिवार)	प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहू, ज़फराबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गोसाईंगंज, अयोध्या, अयोध्या छावनी, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग
04112	प्रयागराज जं.	06:30	प्रयागराज जं.	21:00		
04113	प्रयागराज जं.	17:30	प्रयागराज जं.	07:45		
04114	प्रयागराज जं.	17:45	प्रयागराज जं.	08:00		
04109	गोविन्दपुरी	15:45	गोविन्दपुरी	07:00	18.01.2025 (शनिवार)	बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, रागौल, भरवा सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर एवं भीमसेन
04110	गोविन्दपुरी	07:30	गोविन्दपुरी	21:30		
अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची						
01818	प्रयागराज छिवकी	03:45	बीना	17:30	18.01.2025 (शनिवार)	शंकरगढ़, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा जं., सिंहपुर–डुमरा, खजुराहो जं., छतरपुर, खरगापुर, टीकमगढ़ एवं ललितपुर
उत्तर मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची						
03219	पटना	14:25	प्रयागराज जं.	22:00	18.01.2025 (शनिवार)	चुनार, मिर्जापुर, विन्ध्याचल, माण्डा रोड, मेजा रोड, नैनी
03220	प्रयागराज जं.	22:35	पटना	09:15		
02417	सूबेदारगंज	21:35	नई दिल्ली	08:55		फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टूण्डला, अलीगढ़
02418	नई दिल्ली	09:30	सूबेदारगंज	19:40		
07707	मौला अली	23:55	आजमगढ़	17:15	18.01.2025 (शनिवार)	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी
06019	मंगलूरू	04:15	बनारस	14:50	18.01.2025 (शनिवार)	मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार
06071	चेन्नई	14:20	गोमतीनगर	14:15		
06002	गोमती नगर	03:45	चेन्नई	23:55		
06207	मैसूरू	16:30	दानापुर	10:00		
09020	दानापुर	23:30	वलसाड़	09:30		
09017	वापी	08:20	गया	19:00		
08529	पं. दीनदयाल उपाध्याय	20:10	विशाख–पट्टणम	03:25		
01034	मऊ	23:50	छ.शिवाजी(ट)	14:30		
09404	जंघई	08:30	अहमदाबाद	18:00	18.01.2025 (शनिवार)	मिर्जापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा
03031	हावड़ा	00:30	भिंड	01:05		
08313	टूण्डला	05:00	टिटिलागढ़	11:00		
03022	टूण्डला	11:20	हावड़ा	15:20		
07419	सिकन्दराबाद	15:15	दानापुर	23:15	18.01.2025 (शनिवार)	मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी
07647	सिकन्दराबाद	21:00	दानापुर	06:00		
09802	बनारस	14:45	सोगरिया	15:45	18.01.2025 (शनिवार)	चुनार, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जं.

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 117/25 (DG)

कुर्सी पर बने रहने के लिए कांग्रेस ने हमेशा संविधान को ताक पर रखा – नन्दी

प्रयागराज। प्रयागराज संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत सभागार में भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर द्वारा आयोजित संविधान गौरव गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने संविधान एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के अतुलनीय योगदान के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ला, महापौर गणेश केसरवानी, विधान परिषद सदस्य श्रीमती निर्मला पासवान, सुरेन्द्र चौधरी, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह एवं अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। मंत्री नन्दी ने कहा कि भारतीय संविधान देश की आत्मा है। भव्य भारत की मजबूत बुनियाद है। जिस पर हमारी व्यवस्थायें टिकी हैं। आजादी की लम्बे संघर्ष के बाद हमारे पूर्वजों ने संविधान के रूप में हमें एक ऐसा बहुमूल्य उपहार दिया जिसमें भारत को दुनिया का शीर्षतम देश बनाने के सूत्र समाहित हैं। संविधान निर्माण में पूज्य बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के योगदान के प्रति हम सब भी कृतज्ञ हैं और आने वाली पीढयां भी कृतज्ञ होंगी। संविधान केवल कोई कागजी दस्तावेज नहीं है। संविधान हमें संरक्षण देता है, प्रेरणा देता है, अधिकार देता है और कर्तव्यों के पालन की शिक्षा देता है। अवसर की समानता और भेदभाव का उन्मूलन संविधान का मूल भाव है। भारत के 1 अरब 40 करोड़ नागरिक संविधान की दृष्टि में एक हैं। कोई गैर बराबरी नहीं, कोई विशेषाधिकार नहीं। आप सभी को याद होगा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने जब पहली बार संसद में प्रवेश किया तो संसद की सीढ़ियों पर माथा रखा और संविधान की प्रति को सिर माथे लगाया। यह लोकतंत्र, संविधान और संसदीय परम्पराओं के प्रति माननीय प्रधानमंत्री जी के कमिटमेंट का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी ने तमाम झूठ और अफवाहें फैलाई। सत्ता पाने के लिए तरह–तरह की मनगढन्त बातें रची। लेकिन सच तो ये है कि संविधान और लोकतंत्र की बातें कांग्रेस पार्टी के मुँह से शोभा नहीं देती। यही कांग्रेस पार्टी है जिसने इमरजेंसी लगाकर संविधान का सीना छलनी करने का महापाप किया। मीडिया की आजादी पर ताला लगा दिया गया, विपक्ष को जेलों में ठूस दिया गया। संविधान की मंशा और भावना के विपरीत न्यायपालिका पर नियंत्रण किया गया और मनमाने संशोधन किये गये। यहाँ तक की भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार तक छीन लिए गये। कुर्सी पर बने रहने के लिए कांग्रेस ने संविधान को ताक पर रख दिया! आज ये दोमुंहे लोग बेशर्मी से संविधान बचाने की बात कहते हैं। यही कांग्रेस पार्टी है जिसने देश पर इतने लम्बे समय तक शासन किया। लेकिन वोटबैंक और तुष्टिकरण के चक्कर में जम्मू –कश्मीर में भारत का संविधान लागू नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में धारा 370 समाप्त हुई। आजादी के दशकों बाद कश्मीर वास्तविक रूप में भारत का अटूट और अभिन्न हिस्सा बना। अभी दो दिन पहले ही राहुल गाँधी ने कहा कि हमें भाजपा,संघ और इंडियन स्टेट से लड़ना है। ये इंडियन स्टेट क्या है? इसका मतलब है कि आप भारतीय संविधान पर आधारित राज्य व्यवस्था से लड़ना चाहते हैं। आप विद्रोह और देशद्रोह की भाषा बोलते हैं। कांग्रेस पार्टी और उनके युवराज राहुल गाँधी दोनों कान खोलकर सुन लें अब इमरजेंसी का दौर अतीत हो गया। अगर आपने भारत के लोकतंत्र और संविधान को जरा सा भी चोट पहुँचाने का काम किया तो भारतीय जनता पार्टी का एक–एक कार्यकर्त्ता चट्टान की तरह संविधान की रक्षा करेगा। हम संविधान पर आंच नहीं आने देंगे और आपके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होने देंगे। आप विदेशों में जाकर विदेशी ताकतों के इशारे पर देश को बदनाम करने वाले बयान देते हैं! देश को कमजोर करने की साजिश में शामिल होते हैं और फिर घड़ियाली आंसू बहाकर संविधान की रक्षा की दुहाई देते हैं। यह दोहरा चरित्र देश की जनता के सामने आ चुका है! आप बेनकाब हो चुके हैं! झूठ, प्रपंच, अफवाह के सहारे सत्ता पाने का आपका सपना केवल सपना ही रह जायेगा।

नंदोत्सव के महत्व का मार्मिक एवं भावपूर्ण हुआ विवेचन

प्रयागराज। प्रयागराज। श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ समिति लूकरगंज प्रयागराज की ओर से श्यामा सदन राधे कृष्णा एंक्लेव लूकरगंज में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आचार्य डॉ राम जी लाल शास्त्री ने नंदोत्सव के महत्व का मार्मिक एवं भावपूर्ण विवेचन करते हुए कहा कि भगवान के आनंद में स्वयं को भुला देने और रम जाने का पर्व ही नंदोत्सव है। भाई के प्रति भाई के प्रेम की अनूठी मिसाल जो भरत जी ने संसार के समक्ष रखी वह पूरी दुनिया में अद्वितीय है। निष्काम सेवा भाव के ऐसे उदाहरण विरले ही मिलते हैं। क्या दुनिया में कोई व्यक्ति मिले हुए राज्य को छोड़ सकता है। भरत जी ने यह स्वयं करके हम लोगों को शिक्षा दी। उन्होंने श्री राम के चरणों में सर्वस्व अर्पित कर उनके चरण पादुका को सिंहासन पर रखकर राज काज करना स्वीकार किया। रामेश्वरम में बने सेतु पर चर्चा करते हुए आचार्य ने श्रद्धालुओं को बताया कि जब मैं अमेरिका में भागवत कथा कहने गया था तब अमेरिका विज्ञान नासा द्वारा रामेश्वरम सेतु का काफी गहराई से लिया गया चित्र दिखाया गया और उसका जो कालक्रम बताया गया। वह हमारे धार्मिक ग्रंथों में दिए गए समय से काफी मेल खाता है। इस से रामेश्वरम की ऐतिहासिकता सिद्ध होती है। इसे महत कपोल कल्पना नहीं समझना चाहिए। राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार बड़ी से बड़ी शिला भी भगवान राम के नाम के प्रताप से समुद्र में फेंकने से तैरने लगी। उसी प्रकार भगवन्नम लेने से मनुष्य भी भवसागर से पार हो जाता है। यदुवंश का वर्णन करते हुए देवकी वसुदेव का विवाह और कंस का मृत्यु की आकाशवाणी सुनकर उनको कारगर में बंदी बनाने आदि की कथा पर विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि कंस के लिए आकाशवाणी हुई थी कि देवकी का आठवां गर्भ कंस का काल होगा नंद बाबा के घर बाल कृष्ण का जन्म होना तथा उनकी बाल लीलाओं का मार्मिक ढंग से वर्णन किया है। नन्दोत्सव में छोटे से बाल गोपाल का सुंदर दर्शन तथा बधाइयां एवं भजनों के सहित बड़े ही धूमधाम कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। छठी के दिन पूतना वध माखन चोरी लीला वेणुवादन गोचारण लीला कालिया मर्दन कंस वध आदि लीलाओं का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। सभी श्रोतागण पीले वस्त्र पहने हुए थे तथा पूरा पूजा पंडाल फूलों से सजा था ऐसा लग रहा था मानो सच में भगवान ने ही अवतार ले लिया हो। सभी श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत का ऐतिहासिक महत्व भी सुनाया और विधि विधान से गोवर्धन पूजन किया तथा छप्पन भोग लगाकर कृष्ण बलराम की सुंदर झांकी के दर्शन किए। जानकारी देते हुए डा अखिल निगम संयोजक श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ समिति लूकरगंज प्रयागराज ने बताया कि सांतवे दिन शनिवार को रुक्मणी विवाह होगा व फूलों की होली के भी दर्शन होंगे। इस मौके पर डा अखिल निगम आकांक्षा निगम बबीता यादव मनीष द्विवेदी उज्ज्वल निगम दुली चंद सेठ डी एस चौहान के के खरे आशीष श्रीवास्तव नरेंद्र शर्मा ईश्वर चंद केसरवानी भारती चौहान सोनिका अग्रवाल गीता दीक्षित साक्षी मित्तल आदि रहे।

ह्यूमन राइट्स आपरेशन कमेटी आफ इंडिया कमेटी का किया गया विस्तार – चन्द्रेश दुबे

प्रयागराज। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स आपरेशन कमेटी आफ इंडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रेश दुबे ने मुख्यालय से जानकारी देते हुए बताया कि इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स आपरेशन कमेटी आफ इंडिया में कमेटी बहुत तेजी के साथ विस्तार किया जा रहा है राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यालय पर कोर कमेटी का बैठक किया गया जिसमें जनपद शामली निवासी विवेक पवार पुत्र हरपाल सिंह को प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ प्रदेश निवासी पियुश परिहार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश निवासी मनोज सिंह ठाकुर राष्ट्रीय संगठन मंत्री रमेश तिवारी राष्ट्रीय सचिव अशोक गुप्ता राष्ट्रीय सचिव कृष्ण कुमार मिश्रा राष्ट्रीय महासचिव राजेश तिवारी राष्ट्रीय प्रभारी के पद पर मनोनीत किए गए हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स आपरेशन कमेटी आफ इंडिया मानव के अधिकारों का हनन होने भ्रष्टाचार एवं अपराध को खत्म करने के लिए बनाई गई है राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रेश दुबे ने मनोनीत किए गए।

प्रभारी जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रयागराज। प्रभारी जिलाधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने कैम्प कार्यालय के सभागार में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 590 आवेदनों के सापेक्ष सत्यापन के उपरान्त 450 आवेदन पत्र पात्र पाये गये, सामूहिक विवाह का सकुशल सम्पन्न कराने हेतु अधिकारियों को दायित्व सौपे गये है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 450 जोड़ो का विवाह एटीएल ग्राउण्ड में दिनांक 21 जनवरी 2025 को प्रस्तावित है। प्रभारी जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियो को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जो भी दायित्व एवं कार्य सौपे गये है उसका शत् प्रतिशत अनुपालन करें। कार्यक्रम स्थल पर साफ–सफाई एवं चूना छिड़काव तथा मोबाइल शौचालय की व्यवस्था हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी एवं नगर पालिका परिषद प्रतापगढ़ एवं नगर पंचायत कटरा मेंदनीगंज को तथा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, शान्ति एवं यातायात व्यवस्था हेतु अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी को निर्देशित किया गया। इसी प्रकार चिकित्सा सुविधायें एवं चिकित्सकीय दल की व्यवस्था हेतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया है। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों व ईओ को निर्देशित किया गया कि विवाहित जोड़ो को कार्यक्रम स्थल पर लाये व निर्धारित पण्डाल/मण्डप में बैठाये तथा जोड़ो को उपहार सामग्री का वितरण करायें। प्रभारी जिलाधिकारी ने कहा कि सामूहिक विवाह के लिये मण्डप हेतु जो पण्डाल बनाया जाये उसमें विकास खण्डवार वैरीकेडिंग करायी जाये जिससे किसी भी प्रकार की समस्या न उत्पन्न होने पाये तथा वैरीकेडिंग में सुरक्षा कर्मियों को लगाया जाये। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह हेतु मण्डप की साईज बढ़ाई जाये जिससे किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वैरीकेडिंग, टेन्ट एवं पण्डाल की व्यवस्था का पर्यवेक्षणीय कार्य देखे। कार्यक्रम में वीआईपी व मंच की व्यवस्था हेतु जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए को दायित्व सौपा गया है।

अयोध्या आ रहे है तो वी आई पी दर्शन की उम्मीद छोड़ दे

प्रयागराज। अयोध्या ब्यूरो आगामी मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए राम मंदिर दर्शन व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन विशेष तिथियों पर वीआईपी दर्शन पर रोक लगाई जाएगी और दर्शन की अवधि बढ़ाई जाएगी ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें। इसके अलावा, दर्शन के लिए अतिरिक्त लेन बनाई जाएगी और फास्ट टैग लाइन भी तैयार की जाएगी। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 29 जनवरी को मौनी अमावस्या है व 2 फरवरी को बसंत पंचमी है 29 जनवरी से लेकर 2 फरवरी तक अपच दर्शन सभी तरह से पूर्णत प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे साथ ही मंदिर परिसर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं से अपील की जाएगी कि वे अपने सामान को मंदिर परिसर से बाहर रखें। इसके लिए शहर भर में साइन बोर्ड भी लगाए जाएंगे ताकि लोग जल्दी दर्शन कर सकें और भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। राम मंदिर की सीमित कैपेसिटी के कारण सुगम दर्शन और विशिष्ट दर्शन स्थगित किए गए हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिल सके।

हत्या का प्रयास के अभियोग से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज थाना कोतवाली देहात क्षेत्रान्तर्गत नि0ग्रा0 भुवालपुर डोमीपुर वादी को आरोपी द्वारा जान से मारने की नियत से कुल्हाडी से हमला करने के संबंध में थाना कोतवाली देहात में वादी की तहरीर के आधार पर 16.01.2025 को मु0अ0सं0 06/2025 धारा 109/352 बीएनएस व 3 (1) द, 3 (1) ध, 3(2) टं, 3(2)ट एससी / एसटी एक्ट बनाम 01 व्यक्ति नामजद के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अभियुक्त वांछित अपराधी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर शिव नारायण वैश के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली देहात अभिषेक सिरोही के नेतृत्व में उ0नि0 राकेश कुमार सिंह मय हमराह का0 विपिन यादव, का0 धीरज कुमार द्वारा देखभाल क्षेत्र तलाश वांछित वारण्टी के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 06/2025 धारा 109/352 बीएनएस व 3 (1) द, 3 (1) ध, 3(2) टं, 3(2)ट एससी/ एसटी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त शिवराज सिंह उर्फ सूरज सिंह पुत्र राजेन्द्र बहादुर सिंह निवासी भुवालपुर डोमीपुर थाना कोतवाली देहात जनपद प्रतापगढ को थानाक्षेत्र कोतवाली देहात के ग्राम भुवाल पुर डोमीपुर से गिरफ्तार किया गया।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्कप्रतिपूर्ति हेतु छात्र–छात्रायें 30 जनवरी तक करें आनलाइन आवेदन

प्रयागराज। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है शैक्षिक सत्र वर्ष 2024–25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना में आनलाइन आवेदन में संशोधित समय सारिणी जारी की गयी है। उन्होने बताया है कि कक्षा 11–12 व उच्च शिक्षा के छात्र–छात्रायें दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्कप्रतिपूर्ति योजना का लाभ लेने के लिये 30 जनवरी 2025 तक आनलाइन आवेदन कर सकते है। दिनांक 03 फरवरी 2025 तक शिक्षण संस्थान स्तर से संस्था में अध्ययनरत तथा छात्रवृत्ति पोर्टल पर आनलाइन आवेदन करने वाले छात्रों द्वारा आवेदन में अंकित समस्त तथ्यों का अभिलेखीय सत्यापन करते हुये निर्धारित उपस्थित मानक पूर्ण करने वाले पात्र छात्रों का आवेदन सत्यापित कर अग्रसारित किया जायेगा तथा अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त किया जायेगा।

रवि किशन ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज। जनवरी गोरखपुर के सांसद और बॉलीवुड के सुपरस्टार रवि किशन ने शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। इस अवसर पर रवि किशन ने कहा की बड़े सौभाग्य से 144 वर्षों के बाद यह महाकुम्भ आया है। इस महाकुम्भ को भव्य और दिव्य बनाने के लिए महाराज योगी जी ने बहुत विकास कार्य कराए हैं। यह दिव्य महाकुम्भ है और इस दिव्य महाकुम्भ में स्नान का अवसर आज मुझे मिला है। जो इस पुण्य अवसर पर महाकुम्भ नहीं आया, जिसने यहां संगम त्रिवेणी में आस्था की डुबकी नहीं लगाई, मानो उसका जीवन व्यर्थ है। उन्होंने सभी देशवासियों से प्रयागराज में आकर संगम स्नान करने की अपील की। प्रयागराज का विकास सबको नजर आ रहा। रवि किशन ने कहा की महाकुम्भ को लेकर योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को प्रयागराज का विकास स्वतरू देखने को मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने मिलकर इस बार पूरे प्रयागराज का काया पलट कर दिया है। यह पुण्य अवसर 144 सालों के बाद आया है। इस सुअवसर पर हर देश वासी, हर सनातन धर्मावलंबी को यहां आकर संगम त्रिवेणी में स्नान करना चाहिए। यहां स्नान करने वाले को पुण्य की प्राप्ति होगी। जो 2027 में हारने वाले हैं, वही महाकुम्भ का अपमान कर रहे। महाकुम्भ में 6 दिन के अंदर 7 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संख्या पर विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर रवि किशन ने कहा कि जो लोग 2027 में हारने जा रहे हैं, वही इस महा आयोजन पर उंगली उठा रहे हैं। यह महाकुम्भ आ रहे श्रद्धालुओं का अपमान है, सनातन धर्म का अपमान है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है। यहां जो भी आ रहा है।

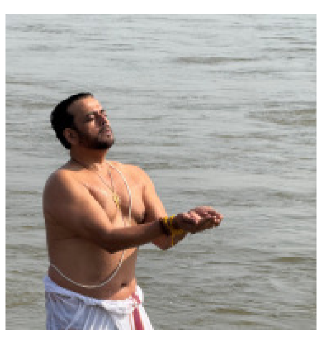

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062